कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. तेलुगु दलित कविता में मौजूद सामाजिक चिंतन को रेखांकित कीजिए। 10

2. पंजाबी दलित कविता 'आज का एकलव्य' की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए। 10

3. मराठी दलित साहित्य के संदर्भ में बाबूराव बागूल की वैचारिकी को स्पष्ट कीजिए। 10

4. 'कवच' कहानी में निहित दलित स्त्री की वेदना पर प्रकाश डालिए। 10

5. 'गाँव का कुआँ कहानी में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 10

6. कन्नड़ दलित साहित्य आन्दोलन की साहित्यिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10

7. 'मशालची' उपन्यास की रचनात्मक विशेषताएँ बताइए। 10

8. 'अस्पृश्य बसंत' उपन्यास में वर्णित जातिगत समस्या पर एक निबंध लिखिए। 10

9. 'अक्करमाशी' के आधार पर भारतीय गाँव की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित मं से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) 'परती-जमीन' की भाषा-शैली

(ख) 'अमावस' कहानी की कथावस्तु

(ग) शरण कुमार लिंबाले का परिचय

(घ) 'बुद्ध ही मरा पड़ा है' कहानी का सार